भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 86*

05 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अमृतसर में नया आयुष अस्पताल

*86. श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में एक आधुनिक पंजाबी आयुर्वेदिक और पंचकर्म केंद्र/अस्पताल स्थापित करने की कोई योजना है जिसका उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य चिकित्सा पर्यटन और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के लिए देश की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक अवसंरचना के साथ एकीकृत करना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ऐसे केन्द्र रोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ असाध्य और जीवन शैली से संबंधित रोगों के लिए किफायती वैकल्पिक उपचार प्रदान करके स्थानीय निवासियों को अत्यधिक लाभान्वित करते हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप अमृतसर को आयुष आधारित चिकित्सा पर्यटन के लिए एक आदर्श शहर के रूप में विकसित करने के सामरिक महत्व को स्वीकार करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का अमृतसर में आयुष आधारित चिकित्सा पर्यटन के विकास के लिए विशेष धनराशि आबंटित करने, विनियामक सहायता और भूमि प्रदान करने का इरादा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए प्रस्तावित समय-सीमा, यदि कोई हो, क्या है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा में 05 दिसम्बर, 2025 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 86* के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में एक आधुनिक पंजाबी आयुर्वेदिक और पंचकर्म केंद्र/अस्पताल स्थापित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की है, जिसका उद्देश्य समग्र कल्याण, चिकित्सा पर्यटन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के लिए देश की पारंपरिक दवाओं की पद्धतियों को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत करना है। हालांकि, आयुष मंत्रालय पंजाब सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है, जिसमें 10/30/50-बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है, इनमें आयुर्वेद और पंचकर्म सुविधाएं शामिल हैं, जो समुदाय को समग्र स्वास्थ्य देखभाल भी प्रदान करती हैं। इस संबंध में, राज्य सरकार एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है। इसके अलावा, पंजाब राज्य सरकार से एसएएपीएस के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, अमृतसर जिले में 10 आयुष्मान आरोग्य केंद्रों (आयुष) को अनुमोदित किया गया है, जिनके माध्यम से ओपीडी सेवाओं, प्रकृति परीक्षण, सुविधा के साथ-साथ समुदाय स्तर पर योग से संबंधित गतिविधियों, सामान्य औषधीय पादपों के उपयोग के बारे में जागरूकता आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समुदाय को समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा रही है।

(ग) और (घ): आयुष मंत्रालय के पास अमृतसर को आयुष-आधारित चिकित्सा पर्यटन के लिए एक आदर्श शहर के रूप में विकसित करने के लिए ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****